6. हमारे व्यापार में बाधा डालने के लिए चीन NSG (Nuclear Supplier Group) मे हमारा प्रवेश नहीं होने दे रहा ।
7. पाकिस्तान को आतंकवाद फैलाने के लिए, हर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सहयोग कर रहा है । हमने Indus water treaty की समीक्षा की, तो चीन ने भारत की जेकोब (ब्रह्मपुत्र) नदी का पानी बंद कर दिया ।
8. रूस व पाकिस्तान को साथ लेकर तालिबान आंतकियों को अफगानिस्तान (हमारा मित्र देश) में फिर खड़ा करने में लगा है । जैश-ए-मोहम्मद व उसके सरगना मसूद अजहर को अंतर्राष्ट्रीय आतंकी घोषित नहीं करने दे रहा ।
9. 1962 से हमारी 43000 वर्ग किमी. जगह पर कब्जा कर बैठा हे । उस समय हमारे 3080 जवान शहीद हुए ।
10. अब भी अरुणाचल सहित 90000 वर्ग किमी भूमि पर दावा कर रहा है । हर आए दिन चीन के सैनिक हमारी सीमा में घुसपैठ कर हमें परेशान करते हैं ।
11. चीन सदैव भारत को चारों तरफ से घेरने व पड़ोसी देशों को हमारे खिलाफ खड़ा करने में लगा रहता है । पाकिस्तान में तो 3120 अरब रूपये का बड़ा आर्थिक भुगौलिक गलियारा CPEC (China-Pakistan Economic Coridor) भारत के विरोध के बावजूद बना रहा है ।

आज अमरीका में Buy American, Hire American का नारा जोरों पर है, ब्रेक्ज़िट के बाद इंग्लैंड अपने लोगों की नौकरियों को बचाने के लिए विदेशियों को बाहर निकाल रहा है । आस्ट्रेलिया भी कुछ ऐसा ही कर रहा है । चीन भी अपने घरेलू बाजार को मजबूत करने में लगा है ।

हमें भी चाहिए कि केवल स्वदेशी का प्रयोग करें । अपना स्वदेशी सामान चाहे कम गुणवत्ता का हो या थोड़ा महंगा हो, तब भी अपनी समृद्धि अपने युवा-युवतियों का रेजगार बढ़ाने के लिए स्वदेशी खरीदें, स्वदेशी अपनाएं ।

चीन का विशेष विरोध क्यों?

भारत तथा चीन दोनों के आणविक अस्त्रयुक्त होने से प्रत्यक्ष व खुले युद्ध का खतरा कम है । अब जो युद्ध है वह है - व्यापार युद्ध (War of Trade, War of Economics) । इसमें सैनिक नहीं, सामान्य जन को लड़ना होता है और हथियार होता है - बहिष्कार । जिसे गांधी जी ने अपनाया, जिसका आह्वान पं.दीनदयाल उपाध्याय व राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने किया ।

आज राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय मंचों पर जितना विरोध, जितनी परेशानी देश की सीमा पर चीन भारत के लिए पैदा कर रहा है, उतना दुनिया का कोई भी देश नहीं कर रहा । फिर चीन से प्रतिवर्ष घाटा सर्वाधिक (41 फीसदी) हो गया है ।

चीन के प्रमुख ब्रांड व सेवाएं

आज हम संकल्प ले कि चाहे हमें किसी भी वस्तु के उपभोग से वंचित रहना पड़े तो भी कम से कम कोई चीनी उत्पाद तो नहीं ही खरीदेंगे । समाज में भी अभियान चलाकर सभी देशवासियों से आग्रह करें कि वे भी कोई चीनी सामान नहीं खरीदें । आजकल चीन कई वस्तुओं का उत्पादन भारत में ही कर रहा है । इसलिए उन पर 'मेड इन इंडिया' भी लिखा होता है । इसलिए चीनी ब्राण्डों की पहचान करते हेतु कुछ चीन के सामानों व मोबइल फोनों के ब्राण्डों के नाम यहां प दिए जा रहे हैं- लेनोवा, ओपो, हुवाई, क्जिोमी, एमआई 4, एल्काटेल, अमोई, बीबीके, कूलपेड, कबोट, जी 5, जियोनी, हेयर, हिसेन्स, कोन्का, मोटा, जेडटीई, लिईको, मैजु, वनप्लस, क्हु 360 आदि । इसलिए इन ब्राण्डों एवं अन्य भी चीनी उत्पादों का बहिष्कार करना चाहिए ।

स्वदेशी जागरण मंच
राष्ट्रीय स्वदेशी - सुरक्षा अभियान
तेलंगाना प्रान्त

स्वदेशी अपनाओ, समृद्धि लाओ, रोजगार बढ़ाओ !

इस समय भारत दुनिया की सबसे तेज गति से उभरती अर्थव्यवस्था है । लगभग 7.1 प्रतिशत वार्षिक की वृद्धि दर सभी 200 देशों में सर्वोच्च है । किन्तु फिर भी रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहे हैं । इंजीनियरिंग व अन्य अच्छी शिक्षा के बावजूद आजकल नौकरी नहीं मिलती । थोडे बढ़े-लिखे की तो फिर कोई पूछ ही नही, इसका कारण क्या है? एक बड़ा कारण है - हम बना-बनाया माल खरीदते हैं । इससे हमारे यहां के उद्योग-धंधे बंद हो रहे है । चीन सहित दुनिया भर का बना-बनाया माल हमारे बाजारों मे आता है, कोई सस्ते होने का, कोई चमक-दमक का, कोई विज्ञापन का सब्जबाग दिखाता है । हम भारत के लोग विदेशी सामान खरीद लेते है । इससे विदेशी कंपनियां मालामाल हो रही है । हम अपने कल-कारखाने, इण्डस्ट्री को बंद करते जाते है । परिणामस्वरूप नौकरियां छंटती जा रही है, नई निकली नहीं । परिणाम है अर्थव्यवस्था तेज होने के बावजूद गरीबी, बेरोजगारी जारी है ।

विशेषकर चीन ने जानबूझकर अपने किसानों की सस्ती जमीन छीनकर, मजदूरों से अधिक काम, कम दाम देकर, भारी सब्सिडियां देकर, पर्यावरण का विनाश करके, अपने घटिया किंतु सस्ते माल को भारत के बाजार मे उतार दिया है । वह प्रतिवर्ष अरबों रूपये भारत से कमा रहा है और बदले में चीन क्या व्यवहार कर रहा है भारत से? वह पाकिस्तान को पूरी तरह से समर्थ करता है, ताकि वह भारत में आतंक फैलाकर, निर्देषों की हत्या कर भारत को उलझाए रख सके । 1962 के युद्ध में 43,000 वर्ग किमी. भूमि पर कब्जे के बाद भी वह अरूणाचल प्रदेश का 90,000 वर्ग किमी. भूमि और मांग रहा है । हर दिन उसके सैनिक भारतीय सीमा का अतिक्रमण करते हैं । हमें सावधान होना होगा । कहीं हम अपने ही पैसे चीन को देकर अपनी सीमा व अपने सैनिकों को असुरक्षित तो नहीं कर रहे? **जरा सोचिए !**

चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के 10 कारण

1. हमारा 190 देशों से व्यापार है, उसमें सबसे बड़ा Trade partner चीन हो गया है । उसमें भी भारत से चीन को केवल 9 बिलियन डॉलर का सामान जाता है और चीन से आता है - 61.7 बिलियन डॉलर, यानी 52.7 बिलियन का घाटा प्रति वर्ष, जो रूपयों में बनता है - 3425 अरब रूपये ।
2. हमारे कुल विदेशी घाटे का 41 प्रतिशत अकेले चीन से है । यदि पेट्रोल को अलग रखें (जो चीन से आता ही नहीं) तो 60 प्रतिशत से अधिक का घाटा है ।
3. चीन से आने वाले आयात भारत के कुल मैन्यूफेक्चरिंग उत्पादन का 24 प्रतिशत के बराबर हैं । यानि चीन में आयातों के कारण हमारा मैन्यूफेक्चरिंग उत्पादन और रोजगार लगभग एक चौथाई कम हो रहा है ।
4. भारी सब्सिडियां देकर, वहां के किसानों, मजदूरों का शोषण कर, पर्यावरण का विनाश कर, गुणवत्ता की उपेक्षा कर अत्यधिक मात्रा में उत्पाद कर चीन सस्ता माल भारत भेजता है, इससे हमारे उद्योग बन्द हो रहे है ।
5. इससे रोजगार खत्म हो रहे हैं । हमारे लघु व मध्यम उद्योग बंद होने से गत 15 वर्षें में लाखों नौकरियां चीन चली गई हैं । हमें अपना रोजगार वापिस लाना है ।